DAINIK BHASKAR, Mumbai, 13.1.2025
Page No. 5, Size:(18.77)cms X (10.24)cms.

मंडे पॉजिटिव कॉरिडोर के 100 किमी के वायाडक्ट पर लगाए जा रहे दो लाख शोर अवरोधक

बुलेट ट्रेन का शोर कम करने आवाज प्रतिबंधक प्रणाली

भास्कर ब्यूरो | ठाणे

बुलेट ट्रेन परियोजना का काम तेज गति से चल रहा है और मुंबई-अहमदाबाद मार्ग पर दौड़ने वाली बुलेट ट्रेन परियोजना ने एक महत्वपूर्ण चरण को पार किया है। 103 किमी लंबे वायाडक्ट के दोनों ओर दो लाख छह हजार शोर अवरोधक (नॉइज बैरियर्स) स्थापित किए गए हैं। हर किमी के अंतराल पर वायाडक्ट के किनारे पर दो हजार शोर अवरोधक लगाए गए हैं। बुलेट ट्रेन तेज गति से चलेगी, लेकिन इसका शोर भी अधिक होगा। इसलिए बुलेट ट्रेन और शहरी संरचनाओं के कारण उत्पन्न शोर को कम करने के लिए शोर अवरोधकों लगाया जा रहा है।

बता दें कि शोर अवरोधक ट्रेन के एरोडायनामिक शोर को परावर्तित और वितरित करते हैं, साथ ही रेल ट्रैक पर चलने वाले पहियों से उत्पन्न शोर को भी कम करते हैं। प्रत्येक शोर अवरोधक की ऊंचाई 2 मीटर, चौड़ाई एक मीटर है और इसका वजन लगभग 830 से 840 किलो है। शहरी और आवासीय क्षेत्रों में तीन मीटर ऊंचे शोर अवरोधक लगाए गए हैं। इन अवरोधकों में 2 मीटर ऊंचे शोर अवरोधक के ऊपर एक मीटर ऊंचा पारदर्शी पॉलीकार्बोनेट पैनल लगाया गया है, जिससे यात्रियों को शानदार दृश्य देखने का अनुभव मिलता है। इन शोर अवरोधकों के निर्माण के लिए छह कारखाने स्थापित किए गए हैं। इनमें से तीन अहमदाबाद में हैं, जबकि एक-एक सूरत, वडोदरा और आणंद में स्थित हैं।

गुजरात में ट्रैक निर्माण का कार्य हो रहा है

एनएचएसआरसीएल ने बताया कि गुजरात में ट्रैक निर्माण चल रहा है और आणंद, वडोदरा, सूरत और नवसारी जिलों में आरसी (रिइनफोर्स्ड कांक्रीट) ट्रैक बेड का काम चल रहा है। अब तक 71 किमी आरसी ट्रैक बेड का काम पूरा हो चुका है और वायाडक्ट पर ट्रैक की वेल्डिंग शुरू हो चुकी है। मुंबई बुलेट ट्रेन स्टेशन के लिए 32 मीटर गहरा पहला कांक्रीट बेस स्लैब सफलतापूर्वक डाला गया है।

मुंबई में चल रहा 21 किमी सुरंग का काम

एनएचएसआरसीएल के एक अधिकारी के मुताबिक, वांद्रे-कुर्ला कॉम्प्लेक्स (बीकेसी) से शिलफाटा तक 21 किमी लंबी सुरंग का काम प्रगति पर है। मुख्य सुरंग के निर्माण के लिए 394 मीटर की इंटरमिडिएट टनल भी पूरी हो चुकी है। पालघर जिले में सात पहाड़ी सुरंगों का निर्माण न्यू ऑस्ट्रियन टनलिंग मेथड पद्धति से किया जा रहा है। गुजरात में एकमात्र पहाड़ी सुरंग का सफलतापूर्वक निर्माण किया गया है।

13 नदियों पर पुल बनाए गए

नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एनएचएसआरसीएल) के मुताबिक, मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना का काम तेजी से चल रहा है। 243 किमी से अधिक के वायाडक्ट का काम पूरा हो चुका है। इसके साथ ही 352 किमी के पियर का निर्माण और 362 किमी के पियर फाउंडेशन का काम भी समाप्त हो चुका है। 13 नदियों पर पुल बनाए गए हैं, जबकि पांच स्टील पुल और दो पीएसडी पुलों का उपयोग करके विभिन्न रेलवे लाइनों और हाई-वे के ऊपर निर्माण कार्य पूरा किया गया है।

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना का काम तेजी से चल रहा है। इससे हजारों रोजगारों का सृजन, स्थानीय उद्योगों का विकास और क्षेत्रीय बुनियादी ढांचे में सुधार के साथ क्षेत्रीय विकास को बढ़ावा मिलेगा। बुलेट ट्रेन से यात्रा का समय बहुत कम हो जाएगा।
- विवेक कुमार गुप्ता, कार्यकारी निदेशक, एनएचएसआरसीएल